देहरादून,पौड़ी-गढ़वाल व अल्मोड़ा से प्रकाशित | www.page3news.in | नगर संस्करण वर्ष 17 अंक: 45 पृष्ठ : 8 मूल्य: एक रूपए

**विचार-प्रवाह...**भिंडरवाले से बढ़ी नजदीकी

# पेज थ्री

देहरादून, बुधवार, 18 मई 2022

मौसम | अधिकतम 35.0° न्यूनतम 24.0° | 40243.38 | 2 हाइपरसोनिक हथियार का सफल परीक्षण | 7 अर्जुन तेंदुलकर को मिल सकता है मौका

# केदारनाथ पैदल मार्ग दो घंटे बाद सुचारु

संवाददाता

रुद्रप्रयाग। सोमवार को बारिश के कारण हाईवे पर यात्रियों को रोकने के बाद मंगलवार को गौरीकुंड पैदल मार्ग टूट गया था, जिस कारण विभिन्न पड़ावों पर केदारनाथ जा रहे आठ हजार से अधिक तीर्थयात्रियों को रोक दिया गया हालांकि बाद में मार्ग सुचारू कर यात्रियों को आगे भेजा गया।

जानकारी के मुताबिक घोड़ा पड़ाव गौरीकुंड में अचानक मंगलवार सुबह छह बजे पहाड़ी टूटने से पैदल मार्ग क्षतिग्रस्त हो गया था। जिस कारण प्रशासन ने सोनप्रयाग और गौरीकुंड में लगभग 8000 यात्रियों को रोक दिया गया था। कड़ी मशक्कत के बाद करीब दो घंटे बाद पैदल मार्ग को आवाजाही के लिए सुचारू किया गया और यात्रियों को आगे भेजा गया।

वहीं कर्णप्रयाग में पंचपुलिया के पास गलनाउ में बोल्डर आने से सड़क मार्ग बाधित हो गया था, जिसे एक घंटे बाद दोपहर 12 आवाजाही के लिए खोल दिया गया।

**घोड़ा खच्चर की प्रीपेड टोकन व्यवस्था लागू:** यमुनोत्री धाम में जिला पंचायत और जिला प्रशासन की ओर से घोड़ा खच्चर की प्रीपेड टोकन व्यवस्था लागू की गई है। डंडी और कंडी की प्रीपेड टोकन व्यवस्था 15 मई से लागू हो गई थी।

**लामबगड़ में एहतियातन तीन घंटे तक रोके रखे तीर्थयात्री:** इससे पहले सोमवार की शाम को पहाड़ी से पत्थर गिरने व बारिश के कारण अलकनंदा का जल स्तर बढ़ गया था, जिस वजह से बदरीनाथ जाने वाले यात्रियों को लामबगड़ में एहतियातन तीन घंटे तक रोके रखा गया। देर रात पुलिस की देखरेख में इन यात्रियों को निकटवर्ती पड़ाव तक सुरक्षित भिजवाया गया। सोमवार की शाम से चमोली जिले में हुई भारी बारिश की वजह से बदरीनाथ हाईवे में लामबगड़ के पास खचरा नाला ऊफान पर आ गया था। बारिश के कारण पहाड़ी से भी पत्थर गिरने लगे। इस पर करीब रात आठ से 11 बजे तक यात्रियों को सुरक्षा के मद्देनजर विभिन्न स्थानों पर रोक दिया गया था। बारिश के चलते अलकनंदा नदी का भी जल स्तर बढ़ गया था।

## सुबह छह बजे पहाड़ी टूटने से पैदल मार्ग हुआ था क्षतिग्रस्त

### गलनाउ में बोल्डर आने से सड़क मार्ग बाधित

भारी बारिश के कारण चारधाम यात्रा के मार्ग में आई रुकावट को मंगलवार को कुछ जगहों पर दूर कर दिया गया। कर्णप्रयाग में पंचपुलिया के पास पहाड़ी से चट्टान गिरने के बाद बंद हुआ बदरीनाथ राजमार्ग यात्रियों के लिए फिर से खोल दिया गया है। वहीं बदरीनाथ हाईवे पर खचड़ा नाले में जलस्तर बढ़ने से यात्रियों को सतर्क रहने के लिए कहा गया है। इसी को ध्यान में रखते हुए एहतियातन पुलिस प्रशासन ने बदरीनाथ धाम जा रहे करीब 800 तीर्थयात्रियों को पांडुकेश्वर बैरियर पर रोक लिया था। तीर्थयात्रियों के ठहरने और खान-पान की व्यवस्था गोविंदघाट गुरुद्वारे में की गई है। वहीं मौसम साफ होने के बाद उन्हें आगे जाने के लिए रास्ता दिया जा रहा है।

### कहीं-कहीं ओलावृष्टि और बारिश के आसार

मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार मंगलवार को प्रदेश के पहाड़ी जनपदों में कहीं-कहीं ओलावृष्टि और बारिश हुई। उत्तराखंड में जहां मैदानी क्षेत्रों में भीषण गर्मी बेहाल कर रही है, वहीं अधिकांश पहाड़ी जनपदों में सोमवार दोपहर बाद बारिश की रिमझिम फुहारों से राहत मिली है। शाम को बदरीनाथ व हेमकुंड की चोटियों में बर्फबारी हुई, जबकि इससे पहले केदारनाथ में बारिश हुई। उत्तराखंड में सबसे अधिक तापमान ऊधमसिंहनगर में 40.1 डिग्री सेल्सियस व देहरादून में 39.4 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। शाम चार बजे बाद दून के कई इलाकों में चालीस से पचास किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से अंधड़ चला और कुछ क्षेत्रों में हल्की बूंदाबांदी भी हुई।

## संक्षिप्त समाचार

### विपिन सांघी होंगे नैनीताल हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)**

नैनीताल। सुप्रीम कोर्ट की कोलेजियम ने दिल्ली हाई कोर्ट के जज न्यायमूर्ति विपिन सांघी को नैनीताल हाई कोर्ट का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त करने की सिफारिश की है। इसके अलावा मुम्बई हाई कोर्ट के जज न्यायमूर्ति अमजद एस सैय्यद को हिमांचल प्रदेश, मुम्बई हाई कोर्ट के ही जज न्यायमूर्ति रश्मिन एम छाया को गुवाहाटी व तेलगांना हाई कोर्ट के जज न्यायमूर्ति उज्ज्वल भूयान को उसी हाई कोर्ट मुख्य न्यायाधीश नियुक्त करने की सिफारिश की है।

### एडवोकेट कमिश्नर अजय कुमार मिश्र हटाए गए

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)**

वाराणसी। ज्ञानवापी शृंगार गौरी प्रकरण में एडवोकेट कमिश्नर अजय मिश्र को अदालत ने कमीशन से हटा दिया गया है। अब विशेष एडवोकेट कमिश्नर विशाल सिंह कमीशन की कार्यवाही की रिपोर्ट अदालत में प्रस्तुत करेंगे।

# देश ने 5जी और 6जी की तरफ तेजी से कदम बढ़ाए

## पीएम मोदी ने ट्राई के कार्यक्रम को किया संबोधित

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)**

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दूरसंचार नियामक प्राधिकरण के रजत जयंती समारोह को संबोधित किया। मोदी ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए आईआईटी मद्रास के नेतृत्व में कुल आठ संस्थानों द्वारा बहु-संस्थान सहयोगी परियोजना के रूप में विकसित 5जी टेस्ट बेड का भी शुभारंभ किया।

पीएम मोदी ने ट्राई के सिल्वर जुबली की बधाई दी। मोदी ने कहा कि ये सुखद संयोग है कि आज आपकी संस्था ने 25 साल पूरे किए। देश आजादी के अमृतकाल में अगले 25 वर्षों के रोडमैप पर काम कर रहा है। मुझे देश को स्वदेशी 5जी टेस्ट बेड समर्पित करने का मौका मिला। ये टेलिकाम सेक्टर में क्रिटिकल और आधुनिक टेक्नोलाजी की आत्मनिर्भरता की दिशा में एक अहम कदम है।

पीएम ने कहा, अनुमान है कि आने वाले डेढ़ दशक में 5जी से भारत की अर्थव्यवस्था में 450 बिलियन डालर का योगदान होने वाला है। यानी ये प्रगति और रोजगार की गति को भी बढ़ाने वाला है। इसीलिए तेजी से 5जी रोलआउट हो, इसके लिए सामूहिक प्रयास की जरूरत है। इस दशक के अंत तक हम 6जी सर्विस भी लान्च कर पाए इसके लिए भी हमारी टास्क फोर्स ने काम करना शुरू कर दिया है। हमारा प्रयास है कि टेलिकाम सेक्टर औ 5जी टेक्नोलाजी में हमारे स्टार्टअप तेजी से तैयार हों और ग्लोबल चैंपियन बनें। भारत आज दुनिया का सबसे बड़ा मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग हब है।

पीएम ने आगे कहा कि 2जी काल की निराशा, हताशा, करप्शन, पालिसी पैरालिसिस से बाहर निकलकर देश ने 3जी से 4जी और अब 5जी और 6जी की तरफ तेजी से कदम बढ़ाए हैं।

### रोजगार के अवसर बढ़ेंगे

मोदी ने कहा कि 5जी के रूप में जो देश का अपना 5जी tandard बनाया गया है, वो देश के लिए बहुत गर्व की बात है। ये देश के गांवों में 5जी टेक्नोलाजी पहुंचाने में बड़ी भूमिका निभाएगा। 5जी टेक्नोलाजी भी देश की गवर्नेंस में जीवन में सुगमता, व्यापार करने में सुगमता में सकारात्मक बदलाव लाने वाली है। इससे खेती, स्वास्थ्य, शिक्षा, इंफ्रास्ट्रक्चर और लाजिस्टिक्स हर सेक्टर में ग्रोथ को बल मिलेगा। इससे सुविधा भी बढ़ेगी और रोजगार के भी अनेक अवसर बनेंगे।

# शिवलिंग की जगह को किया जाए सील

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)**

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने अंजुमन इंतेजामिया मस्जिद की याचिका पर ज्ञानवापी मस्जिद विवाद पर सुनवाई की, जिसमें वाराणसी कोर्ट के आदेश को चुनौती दी गई थी। वाराणसी की कोर्ट ने ज्ञानवापी मस्जिद परिसर के वीडियोग्राफिक सर्वेक्षण का आदेश दिया था, जो वाराणसी में प्रसिद्ध काशी विश्वनाथ मंदिर से सटा हुआ है।

सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने अहम आदेश दिया है। सुप्रीमकोर्ट ने बनारस में ज्ञानवापी मस्जिद में शिवलिंग मिलने की जगह की सुरक्षा का वाराणसी के जिलाधिकारी को निर्देश दिया है। लेकिन कहा कि मुस्लिमों के मस्जिद में जाकर नमाज करने पर कोई रोक नहीं होगी। कोर्ट ने मस्जिद कमेटी की याचिका पर हिंदू पक्ष को नोटिस भी जारी किया।

सुप्रीम कोर्ट ने निचली अदालत की सुनवाई पर रोक लगाने की मस्जिद कमेटी की मांग ठुकराई। शीर्ष अदालत ने सुनवाई पर रोक

### आदेश

- नमाज न हो बाधित, 19 मई को होगी अगली सुनवाई

का आदेश नही दिया। शीर्ष अदालत ने अगली सुनवाई के लिए गुरुवार को तारीख तय कर दी है। सुनवाई के दौरान सालिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि सर्वे में मस्जिद के वजूखाने में शिवलिंग मिला है, जो हाथ-पैर धोने की जगह है। मस्जिद में नमाज की जगह अलग होती है।

शीर्ष कोर्ट ने कहा कि हम निचली अदालत को आपकी याचिका का निपटारा करने का निर्देश देते हैं। इस पर मुस्लिम पक्ष के वकील ने कहा कि लेकिन आप परिसर को कैसे सील करते हैं? आप यथास्थिति को बदल रहे हैं। ये सभी अवैध आदेश हैं। यह हमारी बात सुने बिना संपत्ति को सील करने जैसा है। आप मस्जिद में नमाज की जगह को भी सीमित कर रहे हैं।

# असम में बाढ़ से भारी तबाही

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)**

कछार। असम में लगातार बारिश से कई जिले बाढ़ की चपेट में आ गए हैं। बारिश के चलते कई इलाकों में भूस्खलन भी हुआ है। राज्य के 24 जिलों में करीब दो लाख से ज्यादा लोग बाढ़ से प्रभावित बताए जा रहे हैं। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की रिपोर्ट के अनुसार, अकेले कछार जिले में ही 50

### भारी बारिश के चलते अब तक 7 की मौत

हजार से ज्यादा लोग प्रभावित हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि बाढ़ से 46 राजस्व मंडलों के 652 गांव प्रभावित हैं। बाढ़ के पानी में 16,645.61 हेक्टेयर फसल भूमि जलमग्न है।

असम आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने बताया कि कछार, चराईदेव, दरांग, धेमाजी, डिब्रूगढ़ और दीमा-हसाओ सहित 24 जिलों में अब तक 2,02,385 लोग प्रभावित हैं। बाढ़ और भूस्खलन से अब तक 7 लोगों की मौत हो चुकी है। इसके अलावा कई लोग लापता भी हैं। प्रशासन द्वारा राहत और बचाव कार्य जारी है। कछार में जिला प्रशासन की तरफ से 55 राहत शिविर और 12 वितरण केंद्र बनाए गए हैं। लगभग 33 हजार बाढ़ प्रभावित लोगों ने यहां शरण ली है।